Uturn Time 01 Jan 2026_Page 1-4.qxd 01-01-2026 00:01 Page 1

RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 10 | ISSUE 355 | THURSDAY 01-01-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

Happy New Year 2026

गुस्ताखी माफ

किसी तरह भी कीजिए, किसी तरह का वार।
मच्छर ना हारा कभी, ना पायेगा हार।
ना पायेगा हार, कहां फॉगिंग से मरता।
ना तो सुधरें लोग, निगम भी कहां सुधरता।
कह साहिल कविराय, आप लुधियाना आओ।
मच्छर को प्रभु मार, शहर को मुक्ति दिलाओ।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

'मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी' कर SDO ने कमिश्नर के निदेशों के खिलाफ रोका लेडीज बाथरूम निर्माण

लुधियाना/यूटर्न/31 दिसंबर। लुधियाना में नगर निगम के कई अफसरों की दबंगई इतनी ज्यादा है कि नगर निगम के कमिश्नर भी उनके आगे बोने साबित हो रहे हैं। दरअसल, निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल की और से एसडीओ अक्षय बांसल को जोन-ए में महिला शौचालय बनाने के आदेश दिए थे।

जिसके चलते चार दिसंबर को इसका निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि 27 दिन बीतने के बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। जबकि वह काम अभी भी आधा अधूरा पड़ा है और उसे बीच में ही छोड़ दिया गया है। हैरानी की बात तो यह है कि एक शौचालय बनाने के लिए इतना समय लगा दिया गया है। वहीं चर्चा है कि एसडीओ अक्षय बांसल के मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी जैसे हालात हो चुके हैं। मतलब कि वह जब मर्जी जो मर्जी करें, उन्हें न तो किसी अधिकारी के आदेशों की प्रवाह है और न ही किसी का डर है। इसी कारण निगम कमिश्नर भी उनके आगे बोने दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि एसडीओ द्वारा उनके आदेश भी नहीं मानें जा रहे।

यूटर्न टाइम ने उठाया था मुद्दा

जानकारी के अनुसार निगम जोन-ए के फ्लौर्स पर महिला शौचालय नहीं है। जिस कारण उन्हें दिक्कत आते देख यूटर्न टाइम अखबार द्वारा यह मुद्दा उठाया गया। 27 नवंबर को इस संबंधी खबर प्रकाशित की गई। जिसके बाद चार दिसंबर को कमिश्नर के आदेशों पर शौचालय का निर्माण कार्य शुरू कराया गया, जो कि आज तक पूरा नहीं हो सका।

महिला कर्मियों और उपभोक्ताओं को आती है दिक्कत

जानकारी के अनुसार निगम जोन-ए में एक भी महिला शौचालय नहीं है। जिस कारण महिलाओं को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। जबकि सिर्फ नगर निगम में ही 60 से 70 महिलाएं नौकरी करती है। इसके अलावा वहां काम कराने के लिए भी उपभोक्ता महिलाएं आती है। इसके बावजूद वहां महिला शौचालय ही नहीं है और उन्हें समस्याएं आती है।

पीएम-सीएम बनवा रहे शौचालय, अफसरों को फिक्र नहीं

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम भगवंत मान की और से शौचालय बनाने को पहल दी जाती है, ताकि स्वच्छता बनी रहे। खासकर महिलाओं को इसकी सुविधा हो सके। लेकिन दूसरी तरफ सरकारी अधिकारियों को इस बात का फिक्र ही नहीं है। सबसे बड़ी हैरानी की बात तो यह है कि कमिश्नर द्वारा ऑर्डर करने के बावजूद एसडीओ उन आदेशों को मानने के लिए तैयार नहीं है।

शहर की फस्ट लेडी मेयर, फिर भी महिलाओं को नहीं मिल रहा हक

जानकारी के अनुसार मेयर को शहर का फस्ट पर्सन कहा जाता है। जिसके चलते लुधियाना शहर का फस्ट पर्सन लेडी प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर है। लेकिन उसके बावजूद भी मेयर के ही निगम विभाग में महिलाओं को उनका हक नहीं मिल रहा है। अब देखना होगा कि क्या मेयर महिलाओं को उनका हक दिला सकती है यां नहीं।

कम विजिबिलिटी के कारण 150 फ्लाइट्स कैंसिल, 250 लेट होने से यात्रियों के लिए सबसे खराब दिन

चंडीगढ़/यूटर्न/31 दिसंबर। सूत्रों के अनुसार, साल 2025 के आखिरी दिन बुधवार को घने कोहरे के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (आईजीआई) एयरपोर्ट पर कुल 150 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई और 250 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हो गई, जिससे कई यात्रियों के नए साल की यात्रा के प्लान खराब हो गए। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट उन एयरलाइंस में शामिल थीं, जिन्होंने एयरपोर्ट पर फ्लाइट में रुकावट के कारण यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने नए साल की पूर्व संध्या पर हल्के से घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। विजुअल्स में दिखा कि विजिबिलिटी घटकर सिर्फ कुछ मीटर रह गई थी, जिससे बुधवार सुबह लगभग कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।

दोपहर बाद स्थिति हुई सामान्य

सुबह 11 बजे, एयरपोर्ट का संचालन करने वाली दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि विजिबिलिटी धीरे-धीरे बेहतर हो रही है, लेकिन चेतावनी दी कि कुछ फ्लाइट में रुकावट जारी रह सकती है। दोपहर और 1 बजे के बाद के अपडेट में, एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि फ्लाइट ऑपरेशन सामान्य रूप से चल रहे हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी की चेतावनी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने चेतावनी दी कि उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में कोहरे की स्थिति चुनिंदा एयरपोर्ट पर ऑपरेशन को प्रभावित कर रही है। इसने यह भी कहा कि एयरलाइंस को यात्री सेवा मानदंडों का पालन करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें समय पर जानकारी देना, देरी के दौरान सहायता, जहां लागू हो वहां रीबुकिंग या रिफंड और बैगेज की सुविधा शामिल है।

स्मार्ट सिटी में दिनदहाड़े चोरी, एफआईआर दर्ज न होने से पुलिस पर उठे सवाल

मिलन

लुधियाना/यूटर्न/31 दिसंबर। लुधियाना स्मार्ट सिटी में ई-रिक्शा चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ताजा मामला थाना सलेम टाबरी क्षेत्र से सामने आया है, जहां दिनदहाड़े ई-रिक्शा चोरी होने और बाद में अधूरी बरामदगी से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। न्यू दाना मंडी के रहने वाले पीड़ित नगीना साह के अनुसार उनका ई-रिक्शा 25 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 3 बजे उनके घर के बाहर से चोरी हो गया। घटना के तुरंत बाद उन्होंने उसी दिन थाना सलेम टाबरी में शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित नगीना साह

अज्ञात व्यक्ति ने दी जानकारी

पीड़ित ने बताया कि 27 दिसंबर को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसने सूचना दी कि उनका ई-रिक्शा समराला चौक, चंडीगढ़ रोड के पास खड़ा है। मौके पर पहुंचने पर ई-रिक्शा तो मिल गया, लेकिन उसमें लगी बैटरी, मशीनरी और अन्य कीमती सामान पूरी तरह गायब था। नगीना साह का कहना है कि ई-रिक्शा उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है और इस तरह की चोरी से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने मांग की है कि मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और चोरी हुए सामान की बरामदगी के लिए गंभीर जांच की जाए।

पुलिस कमिश्नर के पास पहुंची शिकायत

पीड़ित ने बताया कि न्याय न मिलने के कारण उन्होंने अपनी शिकायत लुधियाना के पुलिस कमिश्नर को भी भेजी है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर से मामले में एफआईआर दर्ज करवाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

टूटी बाउंड्री वॉल बनी अपराध की वजह

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि जिस रिहायशी इलाके न्यू दाना मंडी से यह चोरी हुई है, वहां की बाउंड्री वॉल लंबे समय से टूटी हुई है। संबंधित विभाग द्वारा अब तक बाउंड्री वॉल का निर्माण नहीं किया गया, जिसके कारण असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ गई है और चोरी की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आजकल ई-रिक्शा चोरी एक आम चलन बनता जा रहा है। चोर पहले ई-रिक्शा से बैटरी व अन्य कीमती सामग्री निकाल लेते हैं और बाद में वाहन को किसी सुनसान या खाली इलाके में छोड़ देते हैं, ताकि आसानी से पकड़े न जाएं।

एसएसपी अमनीत कोंडल की काबिल लीडरशिप में साल 2025 में बठिंडा पुलिस का परफॉर्मेंस, नशे व अपराधियों पर डाली नुकेल

बठिंडा/यूटर्न/31 दिसंबर। बठिंडा पुलिस ने साल 2025 के दौरान ड्रग स्मगलिंग, ऑगेनाईज्ड क्राइम और गंभीर मामलों के खिलाफ बहुत असरदार और रिजल्ट देने वाली कार्रवाई करके शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। यह सब एसएसपी बठिंडा अमनीत कोंडल की काबिल, मजबूत और मोटिवेट करने वाली लीडरशिप की वजह से मुमकिन हुआ है।

Uturn Time 01 Jan 2026_Page 1-4.qxd 01-01-2026 00:01 Page 3

RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India
FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

Happy New Year 2026

VOL: 10 | ISSUE 355 | THURSDAY 01-01-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

निगम के भ्रष्टाचार के तहत इलीगल बिल्डिंगों का खेल, हनी सिंह और रणजीत सिंह की बल्ले-बल्ले, बाकी सारे थल्ले-थल्ले

लुधियाना/यूटर्न/31 दिसंबर। लुधियाना नगर निगम में धड़ल्ले से इललीगल इमारतों का निर्माण जारी है। जिसमें सबसे आगे निगम जोन-डी ऑफिस है। हैरानी की बात तो यह है कि इस ऑफिस में निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल और मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर खुद बैठते है और उनका मुख्य ऑफिस है। लेकिन फिर भी उसी जोन के अधिकारी सबसे ज्यादा करप्शन करने में जुटे हुए हैं। यूटर्न टाइम अखबार द्वारा दो दिन पहले जोन-डी के अधीन आते हल्का वेस्ट की पांच अवैध इमारतों की फोटो सहित खबर प्रकाशित कर खुलासा किया था। वहीं अब इसी जोन के अधीन आते हल्का वेस्ट से कई और अवैध इमारतों के मामले सामने आई है। हैरानी की बात तो यह है कि पूरे शहर को इन अवैध निमार्णों की जानकारी है। लेकिन एमटीपी रणजीत सिंह और एटीपी हरविंदर सिंह हनी को पता ही नहीं चल पा रहा या यूं कह दें कि पता होने के बावजूद उनकी और से कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा। हैरानी की बात तो यह है कि कहीं रिहायशी इलाके में कमर्शियल इमारत बन रही है, कहीं नॉन कंपाउंडेबल जगह पर कमर्शियल निर्माण हो रहा तो कहीं निगम द्वारा खुद सील की बिल्डिंग की सीलिंग तोड़कर दोबारा से अवैध निर्माण शुरू कर दिया गया। यानि कि नियमों के अनुसार इनमें से कोई इमारत बनाई ही नहीं जा सकती।

मॉडल टाउन मार्केट में मोची शोरुम के अपोजिट बन रही अवैध इमारत

एमटीपी रणजीत सिंह

जवाहर नगर कैंप में बन रही अवैध इमारत

दीप अस्पताल के अपोजिट चल रहा अवैध निर्माण

शास्त्री नगर में अंबिका फैब्रिक्स के साथ सील की बिल्डिंग को मालिक ने खुद किया अनसील

अधिकारियों की अंदरखाते हो रही सेटिंग

निगम जोन-डी में चचाएं हैं कि अगर किसी ने अवैध इमारत बनानी है, तो इस संबंधी इमारत बनाने से पहले या निर्माण के दौरान अफसरों से सेटिंग करो और जितना मर्जी, जैसे मर्जी निर्माण कर डालो। इसी के चलते चचाएं हैं कि जोन के इन इलाकों में हो रहे अवैध निर्माण अफसरों की मिलीभगत से चल रहे हैं। जिसमें कई भ्रष्ट अफसरों को मोटी रकम तक पहुंच चुकी है। इसी कारण वह चुपी साधे बैठे हैं।

बीआरएस नगर ब्लॉक-बी में चल रहा अवैध निर्माण

आत्म नगर हल्के में रिहायशी एरिया में बन रही कमर्शियल इमारत

मॉडल टाउन इश्मीत चौक के पास रावल आईस्क्रीम के अपोजिट बन रही अवैध इमारत

इन इलाकों में हो रहे अवैध निर्माण

जोन-डी के कई इलाकों में अवैध निर्माण चल रहा है। जिसमें जवाहर नगर कैंप में अवैध निर्माण जारी है। वहीं बीआरएस नगर ब्लॉक-बी में सरेआम इललीगल कार्य चल रहा है। अंसल प्लाजा के साथ नॉन कंपाउंडेबल इमारत बनाई गई। मॉडल टाउन मार्केट में मोची शोरुम के अपोजिट अवैध निर्माण हो रहा। मॉडल टाउन के इश्मीत चौक के पास राव आईसक्रीम के अपोजिट अवैध बिल्डिंग बन रही है। इसके अलावा दीप अस्पताल के अपोजिट इमारत बनाई जा रही है।

अंसल प्लाजा के साथ बनी नॉन कंपाउंडेबल बिल्डिंग

कइयों ने तो फीस भी नहीं कराई जमा

निगम अफसरों द्वारा अक्सर ही यह कहकर पल्ला झाड़ दिया जाता है कि उन्हें नहीं पता चल पाता कि उनके जोन में कहा अवैध निर्माण हो रहा है। लेकिन बता दें कि जोन-डी के एमटीपी रणजीत सिंह और एटीपी हरविंदर सिंह हनी को तो पता नहीं चल पाता, मगर शहर को इसकी अच्छे से जानकारी है। जिसके चलते फोटोज और डिटेल सहित इसका खुलासा भी किया जा रहा है। इन बिल्डिंग मालिकों में तो कई ऐसे हैं जिन्होंने सरकारी फीस तक जमा नहीं करवाई और न ही उनके चालान हुए।

एमटीपी व एटीपी द्वारा सील की बिल्डिंग में भी निर्माण जारी

जानकारी के अनुसार शास्त्री नगर रोड पर अंबिका फैब्रिक्स के साथ एलआईटी स्कीम के तहत रिहायशी प्लॉट अवैध निर्माण किया जा रहा है। एमटीपी रणजीत सिंह और एटीपी हरविंदर सिंह हनी द्वारा बिल्डिंग को खुद सील किया गया था। लेकिन मालिक ने कुछ भ्रष्ट अफसरों के साथ मिलकर सील तोड़ी और कार्य शुरू कर दिया। इसके अलावा आत्म नगर हल्के में स्थित ऑर्गेनिक फ्यूल रेस्त्रां के पास नॉन कमर्शियल डिक्लेयर रोड और रिहायशी एरिया होने के बावजूद वहां अवैध निर्माण कराया जा रहा है। चर्चा है कि इस निर्माण में निगम के दो भ्रष्ट अफसर सीधे तौर पर शामिल है। जिन्होंने मोटी रिश्वत ले रखी है।

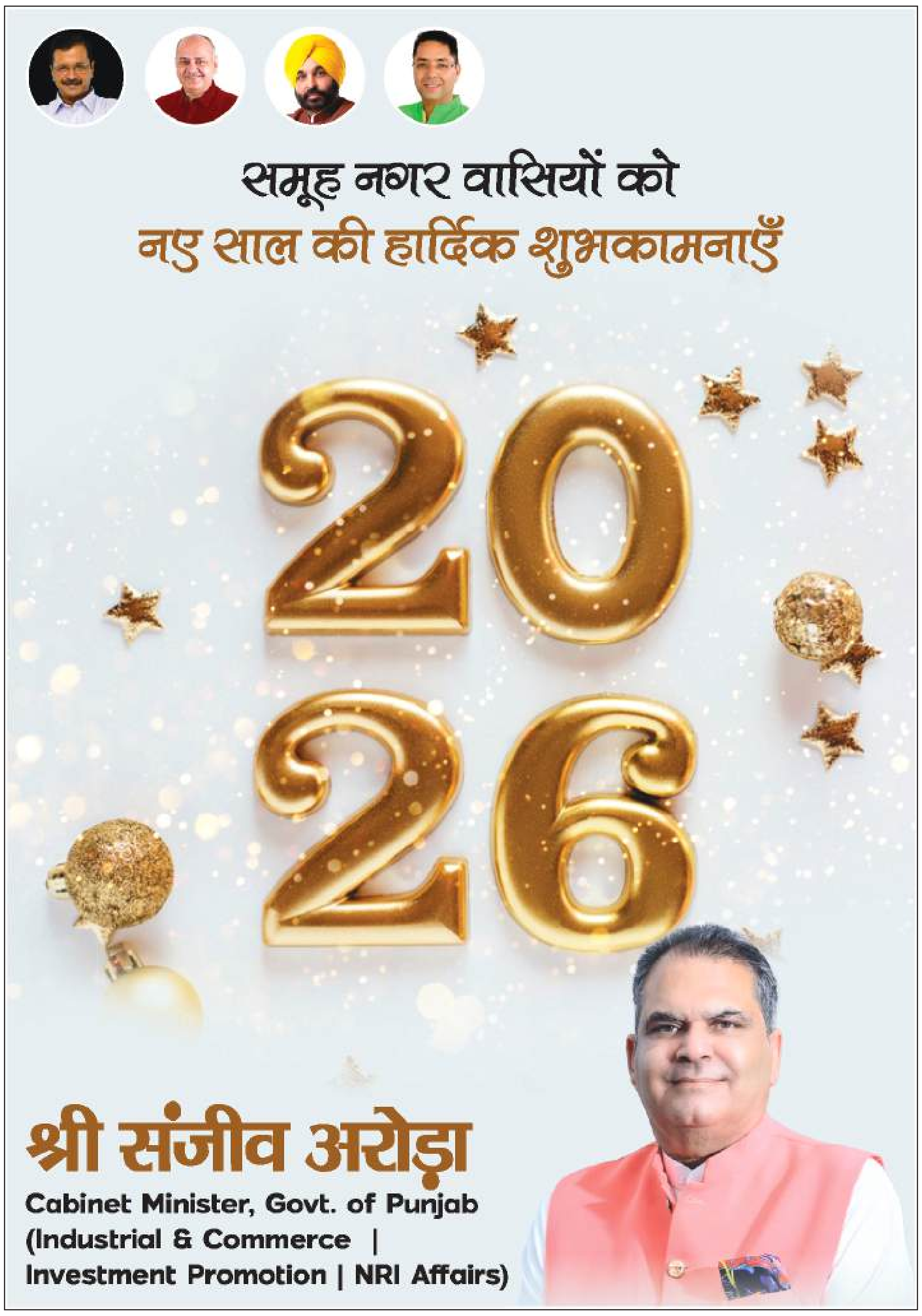

डिप्टी कमिश्नर ने जिले के लोगों को नए साल की बधाई दी

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/31 दिसंबर। डिप्टी कमिश्नर राजेश धीमान ने नए साल 2026 के मौके पर जिले के सभी लोगों को दिल से बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया साल सभी के जीवन में खुशी, सेहत और सफलता लाए।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि साल 2026 को सामाजिक-सामुदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के साल के तौर पर मनाया जाना चाहिए। जिले के लोगों को नए साल की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन हमेशा लोगों की भलाई के लिए समर्पित रहेगा और सभी के सहयोग से जिले को तरक्की की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जाएगा।

नव वर्ष पर पंचकूला पुलिस की सौगातः गुम हुए मोबाइल लौटाकर लोगों के चेहरे पर लाई मुस्कान

दिसंबर माह में करीब 5 लाख की कीमत के खोए हुए 20 मोबाइल लौटाए, इस साल ढुंढे 150 मोबाइल

पंचकूला, यूटर्न, 31 दिसंबर। नव वर्ष 2026 के स्वागत के बीच पंचकूला पुलिस ने दिसंबर माह के दौरान ट्रेस किए गए 20 गुम/चोरी हुए मोबाइल फोन उनके असल मालिकों को सुरक्षित रूप से सौंपे। इन मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी गई है। अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर धारकों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था।

इस अवसर पर एसीपी विक्रम नेहरा ने मोबाइल धारकों से मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और कहा कि पंचकूला पुलिस का मूल उद्देश्य जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना और पुलिस व नागरिकों के बीच विश्वास को और मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि तकनीक के प्रभावी उपयोग और टीमवर्क के जरिए साइबर सेल लगातार गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचा रही है।

एसीपी विक्रम नेहरा ने जानकारी दी कि पंचकूला पुलिस की साइबर सेल द्वारा वर्ष 2025 में 1 जनवरी से 31 दिसंबर तक कुल 150 गुम हुए मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ट्रेस कर उनके असली मालिकों को लौटाए गए हैं। मोबाइल वापस मिलने पर सभी धारकों ने पंचकूला पुलिस और साइबर सेल टीम का आभार व्यक्त किया।

डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने इस उपलब्धि का श्रेय साइबर सेल की पूरी टीम को देते हुए बताया कि साइबर सेल इंचार्ज इंस्पेक्टर निर्मल सिंह, सब इंस्पेक्टर रामू स्वामी, सिपाही रजनीश, सिपाही पवन सहित टीम के अन्य कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत, तकनीकी दक्षता और समन्वय के साथ कार्य करते हुए मोबाइल फोन ट्रेस किए और उन्हें सही हाथों तक पहुंचाया।

गुम या चोरी हुए मोबाइल को ट्रैक और ब्लॉक करने के लिए उएक्फ़ पोर्टल पर शिकायत कैसे करे, समझिए अगर आपका मोबाइल फोन चोरी हो गया है या गुम हो गया है, तो घबराएं नहीं। भारत सरकार द्वारा संचालित उएक्फ़ (Central Equipment Identity Register) पोर्टल आपकी मदद के लिए एक प्रभावशाली ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है। यह केंद्रीकृत प्रणाली गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक करने और ट्रैक करने में सहायक है, जिससे उसका दुरुपयोग रोका जा सके।

सबसे पहले, अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में जाकर मोबाइल गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराएं और ऋक्फ़ की कॉपी अपने पास सुरक्षित रखें। इसके बाद आप ceir.gov.in पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। पोर्टल पर "Block Your Lost/Stolen Mobile" यानी अपने खोए / चोरी हुए मोबाइल को ब्लॉक करें का विकल्प चुनें। इसके बाद एक फॉर्म खुलेगा, जिसमें आपको अपना मोबाइल नंबर, क्टएक नंबर, मोबाइल का ब्रांड और मॉडल, खोने की तारीख और स्थान, FIR नंबर, और पहचान पत्र जैसी जानकारी भरनी होगी।

बठिंडा पुलिस को मिली कामयाबी, 524 ग्राम हेरोइन बरामद की

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/31 दिसंबर। साल के आखिरी दिन बठिंडा पुलिस को कामयाबी मिली, डबवाली के राहुल कुमार नाम के व्यक्ति से तलाशी के दौरान 524 ग्राम हेरोइन मिली। यह व्यक्ति हरियाणा के डबवाली का रहने वाला है, जो अब बठिंडा में रह रहा था। पुलिस ने जब उसे चेकपॉइंट पर रोका तो उसके स्कूटर से 524 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एसपी सिटी नरिंदर कुमार ने मीडिया को बताया कि सिविल लाइन थाने की पुलिस ने भागू रोड टी-पॉइंट पर चेकपॉइंट लगाया था और राहुल कुमार नाम के स्कूटर सवार व्यक्ति को रोका। जब उसकी तलाशी ली गई तो 524 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। डबवाली मंडी के रहने वाले राहुल कुमार, जो अब बठिंडा में रह रहे थे, के खिलाफ सिविल लाइन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया है और उससे अच्छी तरह पूछताछ की जा रही है।

31 दिसंबर को जोमैटो, स्विगी की हड़ताल से देर रात के ऑर्डर पर असर पड़ेगा, कंपनियों ने ज्यादा इंसेंटिव देने का वादा किया

चंडीगढ़/यूटर्न/31 दिसंबर। पूरे भारत में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स ने बुधवार, 31 दिसंबर को, नए साल से ठीक एक दिन पहले देशव्यापी हड़ताल की। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (टीजीपीडब्ल्यूयू) के प्रेसिडेंट शेख सलाउद्दीन ने बताया कि इन वर्कर्स में स्विगी, जोमैटो, जिप्टो और अमैजोन जैसी कंपनियों से जुड़े लोग शामिल हैं और उन्होंने अपनी मांगों को मनवाने के लिए इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) के तहत एकजुट हुए हैं। देशव्यापी हड़ताल में शामिल वर्कर्स अपनी काम करने की स्थितियों और सैलरी स्ट्रक्चर में बदलाव की मांग कर रहे हैं, और इस हड़ताल की वजह से पॉपुलर ऐप्स पर डिलीवरी सेवाओं पर असर पड़ सकता है। जबकि उत्तर भारत में दिन के समय के ऑर्डर पर कोई असर नहीं पड़ा, लेकिन जैसे ही नया साल शुरू होगा, और ऑर्डर बढ़ेंगे, यह हड़ताल निश्चित रूप से कंपनियों को प्रभावित करेगी।

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ज्यादा इंसेंटिव दे रहे... फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो और स्विगी अपने डिलीवरी पार्टनर्स को ज्यादा इंसेंटिव दे रहे हैं, यह एक स्टैंडर्ड प्रैक्टिस है जिसे वे त्योहारों के समय फॉलो करते हैं, ताकि गिग वर्कर्स यूनियनों की हड़ताल की कॉल के बीच नए साल की पूर्व संध्या पर सेवाओं में कम से कम रुकावट हो। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (TGPWU) और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) ने दावा किया है कि बेहतर पेमेंट और बेहतर काम करने की स्थितियों की मांग को लेकर लाखों वर्कर्स देशव्यापी हड़ताल में शामिल होने वाले हैं।

कामकाज को हड़ताल कर सकती प्रभावित... इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, यह हड़ताल नए साल की पूर्व संध्या पर जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, इंस्टामार्ट और जिप्टो जैसी फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स फर्मों के कामकाज को प्रभावित कर सकती है, जबकि डिमांड अपने चरम पर होती है। जोमैटो ने नए साल की पूर्व संध्या पर शाम 6 बजे से रात 12 बजे के बीच पीक आवर्स के दौरान डिलीवरी पार्टनर्स को 120 रुपये से 150 रुपये तक का पेमेंट देने की पेशकश की है। इस डेवलपमेंट की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि प्लेटफॉर्म ने ऑर्डर की संख्या और वर्कर की उपलब्धता के आधार पर दिन भर में 3,000 रुपये तक की कमाई का भी वादा किया है।

चंडीगढ़/ट्रांसिटी
यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India
III गुरुवार, 01 जनवरी 2026

पेज 03 पंजाब में सर्दी के कारण स्कूल की छुट्टियां बढ़ी...

डिजिटल ट्रैफिक मैनेजमेंट से बदली तस्वीर, चंडीगढ़ में शिकायतों में 53% की गिरावट

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 31 दिसंबर। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस द्वारा अपनाई गई डिजिटल तकनीक अब जमीन पर असर दिखाने लगी है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत मैनुअल चालान व्यवस्था को लगभग समाप्त कर ई-चालान और ऑटोमेटेड सिस्टम लागू किए जाने से न केवल ट्रैफिक नियमों का पालन बेहतर हुआ है, बल्कि पुलिसकर्मियों के खिलाफ दर्ज होने वाली शिकायतों में भी उल्लेखनीय कमी आई है। पुलिस आंकड़ों के अनुसार पिछले छह महीनों में ट्रैफिक पुलिस से जुड़ी शिकायतों में करीब 53 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़े रेड लाइट वायलेशन डिटेक्शन सिस्टम और स्पीड मॉनिटरिंग डिवाइस के जरिए अब नियम तोड़ने वालों की पहचान पूरी तरह तकनीकी आधार पर हो रही है। इससे सड़क पर चालान

के दौरान होने वाले विवाद और पक्षपात के आरोपों पर काफी हद तक लगाम लगी है। ई-चालान के साथ फोटो और वीडियो प्रमाण मिलने से वाहन चालकों को भी नियम उल्लंघन को लेकर स्पष्ट जानकारी मिल रही है।

ऑनलाइन जांच और भुगतान सुविधा ने पूरी चालान प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बना दिया है। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि इस सिस्टम से न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि लोगों का भरोसा भी बढ़ा है और नियमों के पालन की प्रवृत्ति में सुधार देखा जा रहा है।

इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस ने अपने कर्मियों के व्यवहार और संवाद कौशल को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया है। सेक्टर-29 स्थित ट्रैफिक ऑडिटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक 350 से अधिक पुलिसकर्मियों को जनता से शालीन और सहयोगात्मक व्यवहार का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सड़क सुरक्षा को लेकर भविष्य की पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से स्कूल स्तर पर भी पहल की गई है। शहर के 187 सरकारी और निजी स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब गठित किए गए हैं, जिनसे जुड़े 3,786 छात्र 'रोड सेफ्टी एंबेसडर' के रूप में अपने आसपास सुरक्षित यातायात का संदेश दे रहे हैं।

नागरिकों की सुविधा बढ़ाने के लिए लंबित चालानों के ऑनलाइन निपटारे की व्यवस्था भी मजबूत की गई है। लाखों कंपाउंडेबल और नॉन-कंपाउंडेबल चालानों को वर्चुअल कोर्ट और ऑनलाइन भुगतान प्रणाली से जोड़ा गया है। चालकों को एसएमएस के जरिए रिमाइंडर भेजे जा रहे हैं, जिससे अदालतों पर बोझ कम हुआ है और मामलों का तेजी से निपटारा हो रहा है। कुल मिलाकर डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में उठाए गए इन कदमों से चंडीगढ़ में ट्रैफिक प्रबंधन की तस्वीर बदलती नजर आ रही है।

नववर्ष पर सख्त संदेश: पंजाब में संगठित अपराध के खिलाफ निर्णायक लड़ाई होगी डीजीपी गौरव यादव

चंडीगढ़, यूटर्न, 31 दिसंबर। नए साल की शुरूआत के साथ ही पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाने का ऐलान किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने साफ शब्दों में कहा है कि राज्य से ऑर्गेनाइज्ड क्राइम को जड़ से खत्म करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी और इसके लिए समानांतर स्तर पर ठोस योजना पर काम किया जा रहा है।

मीडिया से बातचीत के दौरान डीजीपी ने कहा कि संगठित अपराध के नेटवर्क अब केवल स्थानीय नहीं रहे, बल्कि इनके तार देश के अलग-अलग राज्यों और

विदेशों तक फैले हुए हैं। कई अपराधी विदेश में बैठकर अपने नेटवर्क को संचालित कर रहे हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

इसके बावजूद पंजाब पुलिस आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र और अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से इन नेटवर्क्स को तोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। गौरव यादव ने बताया कि नए साल में पुलिस की रणनीति केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अपराध से पहले उसकी योजना को नाकाम करना भी लक्ष्य होगा। इसके लिए गैंग्स की फंडिंग, हथियार सप्लाई और डिजिटल कम्युनिकेशन चैनलों पर विशेष नजर रखी जाएगी। डीजीपी ने यह भी स्पष्ट किया कि आम नागरिकों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोपरि है। उन्होंने जनता से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अपराध से जुड़ी सूचना पुलिस के साथ साझा करें, ताकि संगठित अपराध के खिलाफ इस लड़ाई को और मजबूत बनाया जा सके पुलिस प्रमुख के इस संकल्प को नए साल में अपराध नियंत्रण को लेकर एक सख्त और स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

शिअद ने जिला परिषद और ब्लॉक समिति के उम्मीदवारों को किया सम्मानित

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/31 दिसंबर। शिरोमणि अकाली दल ने पिछले जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी उम्मीदवारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर, हलका प्रभारी एस.आर. क्लेर ने भविष्य की रणनीति साझा की और शिरोमणि अकाली दल की मजबूती के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। एस.आर. क्लेर के नेतृत्व में पार्टी के स्थानीय कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया, जहां ब्लॉक समिति चुनावों में भाग लेने वाले सभी उम्मीदवारों को भी सम्मानित किया गया। शिरोमणि समिति के सदस्य गुरचरण सिंह ग्रेवाल भी समारोह में उपस्थित थे। इस अवसर पर क्लेर ने शिअद के प्रति चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की निष्ठा और समर्पण पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि वे अपने जुझारू कार्यकताओं को सम्मानित करते हुए अत्यंत प्रसन्न हैं, जिन्होंने सत्ताधारी दल के हर हथकंडे का निडरता से सामना करते हुए चुनाव लड़ा और विरोधियों के हर दबाव के खिलाफ धैर्यपूर्वक लड़ाई लड़ी। इस अवसर पर गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि आम जनता ने राज्य में सोशल मीडिया के माध्यम से आम आदमी पार्टी द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार को खारिज कर दिया है और लोग अब झूठ से दूर रहकर जमीनी हकीकतों से जुड़ना पसंद कर रहे हैं।

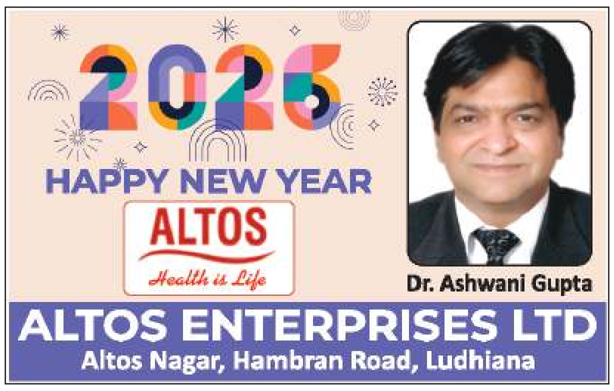

अस्पताल में हुई 4 महीने के बच्चे की मौत

सुनील पांडे

लुधियाना/यूटर्न/31 दिसंबर। सिंगार सिनेमा के पास स्थित सत्यम अस्पताल में 4 महीने के बच्चे की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल के स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं और

बच्चे को गलत दवाई देने के आरोप लगाये है। बच्चे की मौत के बाद माँ का रो रोकर बुरा हाल है। हालाकि परिजनों के बयान के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बच्चे की माँ सोनिया ने बताया कि उनके बच्चे के छाती में बल्गम जमा होने की आशंका थी। जिसके तहत उसे तीन दिन पहले सत्यम हॉस्पिटल में दाखिल करवाया गया। हालाकि दाखिल होने के बाद तबीयत में सुधार हो रहा था। लेकिन बच्ची की माँ का कहना है कि बीते दिनों एक स्टाफ मेंबर कमरे में आया और बिना कोई जानकारी दिए बच्ची को दवा पिलाने लगा। जब की बच्ची की माँ ने उस स्टाफ से पूछा तो स्टाफ ने बताया की नींद की दवाई दी गई है। उसके बाद बच्चे के माँ का कहना है कि दवाई देने के बाद बच्चे अगले दिन सुबह तक उठी ही नहीं। परिजनों का कहना हैं कि अस्पताल प्रबंधन न तो उस स्टाफ मेंबर को सामने ला रहा है और न ही मामले की सही जांच कर रहा है। घटना के बाद परिवार ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

Uturn Time 01 Jan 2026_Page 1-4.qxd 01-01-2026 00:01 Page 6

Happy Birthday

Nishtha Sagar

Happy Birthday

Bhavnoor Kaur

Happy Birthday

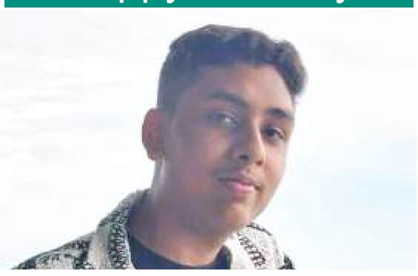

Gaurav garg

थैलासीमिया पीड़ित बच्चों के लिए उम्मीद की किरणः जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसैलाब

न्यू यंग फाइव स्टार क्लब सहित तीन संस्थाओं की संयुक्त पहल

लुधियाना, यूटर्न, 31 दिसंबर। भोले बाबा रत्न मुनि जैन युवा संघ, न्यू यंग फाइव स्टार क्लब एवं अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन पंजाब प्रदेश जिला लुधियाना द्वारा संयुक्त रूप से बुधवार को रोटरी क्लब, सराभा नगर, लुधियाना में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में करीब 59 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

न्यू यंग फाइव स्टार क्लब के प्रधान युवारत्न राजेश जैन बॉबी ने बताया कि यह रक्तदान शिविर कैंप प्रमुख, समाजसेवी एवं राष्ट्रीय संरक्षक सदस्य बिपन जैन श्रमण (मैसर्ज श्रमण जैन स्वीट्स - लुधियाना, चंडीगढ़ व दिल्ली) के 59वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलासीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्त उपलब्ध करवाना रहा।

इस अवसर पर विशेष रूप से डिप्टी कमिश्नर लुधियाना हिमांशु जैन ने शिरकत की और रक्तदाताओं व आयोजकों का उत्साहवर्धन किया।

राजेश जैन बॉबी ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जो किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने का कार्य करता है। युवाओं को आगे आकर ऐसे सामाजिक कार्यों में भाग लेना चाहिए। बिपन जैन श्रमण के जन्मदिवस को सेवा के रूप में मनाना समाज के लिए प्रेरणादायक कदम है।

शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए विशेष छापेमारी अभियान गया चलाया

जीरकपुर, यूटर्न, 31 दिसंबर। शुक्रवार कोनगर परिषद जीरकपुर एवं पॉल्यूशन कंट्रोल विभाग द्वारा शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए नगर कौंसिल के कार्यकारी अधिकारी परविंदर सिंह भट्टी के आदेशों पर विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया।

इस दौरान नगर परिषद एवं पॉल्यूशन कंट्रोल विभाग की टीम ने ढकोली एरियापर स्थित सब्जी मंडी और मार्केट की दुकानों में छापा मारा और 10 किलो के करीब प्रतिबंधित प्लास्टिक के लिफाफे बरामद किए। नगर परिषद की टीम ने ढकोली इलाके में 40 दुकानों को चेक किया जिनमें से नगर परिषद एवं पॉल्यूशन कंट्रोल विभाग की टीम नेमौके पर 3 दुकानदारों के चालान कर 10400 जुमार्ना वसूला। नगर परिषद के सेनेटरी इंस्पेक्टर मनोज कुमार और पॉल्यूशन कंट्रोल विभाग के एसडीओ अतुल शर्मा ने बताया कि पॉलिथीन के इस्तेमाल पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगी हुई है फिर भी कुछ दुकानदार द्वारा अवैध तौर पर पॉलिथीन का इस्तेमाल कर रहे है।

उन्होंने बताया कि वातावरण को बचाए रखने के लिए पंजाब सरकार द्वारा पॉलिथीन के लिफाफों पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाई हुई है। नगर परिषद द्वारा पॉल्यूशन कंट्रोल विभाग के साथ मिलकर समय समय पर विशेष चेकिंग अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है। इसी के तहत बुधवार को ढकोली एरिया पर स्थित मार्केट एवं सब्जी मंडी मेंचेकिंग की गई। विक्रेताओं से करीब 10 किलो पॉलिथीन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के तहत 3 दुकानों पर कार्यवाही की गई और 10400 रुपए कोचालानेकिया गया। सेनेटरी इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने कहा कि यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

2026 एक नई सकारात्मक शुरूआत

नया साल हमेशा नई उम्मीदों, नए सपनों और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होता है। 2026 हमारे जीवन में एक ऐसा अवसर लेकर आया है, जहाँ हम बीते हुए समय की परेशानियों को पीछे छोड़कर एक नई दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। आज की तेज रफ़्तार दुनिया में तनाव और नकारात्मकता बढ़ रही है, लेकिन इस वर्ष हमें सकारात्मक सोच को अपना हथियार बनाना होगा। सकारात्मकता हमें हर चुनौती में एक मौका दिखाती है। यदि हम हर छोटी उपलब्धि पर गर्व करें और अपनी गलतियों से सीखें, तो सफलता हमारे कदम चूमेगी। 2026 में हमें अपनी सेहत, रिश्तों और करियर को बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। जीवन में कृतज्ञ रहना, मुस्कुराना और दूसरों की मदद करना हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। नया साल केवल कैलेंडर बदलने का नाम नहीं, बल्कि हमारी सोच और आदतों को बदलने का भी अवसर है। यदि हम आत्मविश्वास, दृढ़ निश्चय और मेहनत के साथ इस साल की शुरूआत करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहेगा। आइए, 2026 का स्वागत सकारात्मक सोच, नई ऊर्जा और नए सपनों के साथ करें। यही सकारात्मकता हमें खुशहाल जीवन की ओर ले जाएगी।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

नया साल आमतौर पर नई उम्मीदों और नए संकल्पों के साथ शुरू होता है। लोग अपने स्वास्थ्य, काम और रिश्तों को बेहतर बनाने की बात करते हैं, लेकिन एक पहलू ऐसा भी है जिस पर कम ध्यान दिया जाता है—कानून और नागरिक ज़िम्मेदारी। समाज में संतुलन बनाए रखने के लिए केवल अधिकारों का होना पर्याप्त नहीं है, उनके साथ ज़िम्मेदारी निभाना भी उतना ही जरूरी है। कानून हर नागरिक को बोलने, चलने, काम करने और अपनी ज़िंदगी जीने की आजादी देता है, लेकिन यह आजादी निरंकुश नहीं होती। जहाँ किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता दूसरे की शांति, सुरक्षा या गरिमा को प्रभावित करने लगती है, वहीं कानून हस्तक्षेप करता है। यही कारण है कि रोजमर्रा की ज़िंदगी में छोटी लगने वाली बातें—जैसे सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासनहीनता, पड़ोस में असहज व्यवहार या यह सोच कि 'मेरे करने से क्या फर्क पड़ेगा'—धीरे-धीरे कानूनी समस्या का रूप ले लेती हैं। नया साल यह याद दिलाने का अवसर भी है कि कानून डराने या दंड देने के लिए नहीं बना है। इसका उद्देश्य समाज को व्यवस्थित रखना और लोगों के बीच संतुलन कायम करना है। एक जागरूक नागरिक वही होता है जो न केवल अपने अधिकारों को जानता है, बल्कि यह भी समझता है कि उनकी एक सीमा होती है। यह भी उतना ही जरूरी है कि यदि किसी को परेशानी हो रही हो, तो शांतिपूर्वक आवाज उठाना गलत नहीं है। सही तरीके से की गई शिकायत कानून की नजर में सहयोग मानी जाती है, न कि टकराव। चुप रहना हर स्थिति में समाधान नहीं होता, और कानून नागरिकों को अपनी बात कहने का अधिकार देता है। अंत में यही कहा जा सकता है कि नया साल सिर्फ.तारीख बदलने का नाम नहीं है। यह सोच बदलने का अवसर देता है। अगर हम अपने अधिकारों का उपयोग ज़िम्मेदारी के साथ करें और दूसरों की शांति व गरिमा का सम्मान रखें, तो कानून हमारे जीवन में बाधा नहीं बल्कि संतुलन और सुरक्षा का साधन बन जाता है—यही नए साल की सबसे सही शुरूआत है।

Happy Birthday

Suman

पंचकूला उत्तर भारत के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल, हवा की गुणवत्ता ज्यादा खराब हुई

चंडीगढ़/यूटर्न/31 दिसंबर। मंगलवार को ट्राईसिटी क्षेत्र और उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आई, जिसमें पंचकूला इस क्षेत्र के सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में से एक बनकर उभरा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पंचकूला में शाम 7 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 363 दर्ज किया गया, जिससे यह उत्तर भारत के सबसे प्रदूषित शहरों में पांचवें स्थान पर आ गया और ज्यादा बहुत खराब श्रेणी में शामिल हो गया। पंचकूला में यह गिरावट उत्तरी मैदानों में प्रदूषण में व्यापक वृद्धि को दर्शाती है। गाजियाबाद 396 के एक्यूआई के साथ प्रदूषण चार्ट में सबसे ऊपर रहा, इसके बाद नोएडा 383, दिल्ली 375 और ग्रेटर नोएडा 370 पर रहा। ये आंकड़े इस बात पर जोर देते हैं कि जैसे-जैसे सर्दी बढ़ रही है, पूरे क्षेत्र में खतरनाक हवा की स्थिति बनी हुई है।

चंडीगढ़ में भी गिरावट दिखीं

पड़ोसी चंडीगढ़ में भी हवा की गुणवत्ता में गिरावट देखी गई, हालांकि स्तर पंचकूला की तुलना में थोड़ा बेहतर रहा। चंडीगढ़ के सेक्टर 25 मॉनिटरिंग स्टेशन पर एक्यूआई 312 रहा, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया है। हालांकि, सेक्टर 53 स्टेशन पर शहर में सबसे कम एक्यूआई 218 दर्ज किया गया, जो अभी भी 'खराब' श्रेणी में आता है, जिससे निवासियों को बहुत कम राहत मिली है।

विशेषज्ञों ने प्रदूषण के बताए कई कारण

पर्यावरण विशेषज्ञों ने प्रदूषण में वृद्धि का कारण ठंडे मौसम की स्थिति, हवा की कम गति, तापमान में बदलाव और बारिश की कमी को बताया है। ये कारक प्रदूषकों को फैलने से रोकते हैं, जिससे वे जमीन के पास फंसे रहते हैं। एक विशेषज्ञ ने बताया, सर्दियों की रातों में, ठंडी हवा सतह के पास जम जाती है, जबकि गर्म हवा ऊपर रहती है, जिससे एक ढक्कन बन जाता है जो प्रदूषकों की ऊर्ध्वाधर गति को प्रतिबंधित करता है।

पंचकूला में भी स्थिति खराब

पंचकूला की स्थिति नेशनल कैपिटल रीजन (NCR) के पास होने और साल के आखिर में वाहनों की आवाजाही बढ़ने से और खराब हो गई है। छुट्टियों में यात्रा, खरीदारी की भीड़ और सामाजिक समारोहों के चरम पर होने से, ट्रैफिक की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे वाहनों से होने वाला प्रदूषण बढ़ा है। इसका असर खासकर शाम और रात के घंटों में दिखाई देता है जब प्रदूषण का स्तर और बढ़ जाता है।

ज्यादा खराब हवा से आ सकती कई बीमारियां

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बहुत खराब हवा की गुणवत्ता के संपर्क में आने से सांस लेने में दिक्कत, गले में जलन और पहले से मौजूद श्वसन और हृदय संबंधी स्थितियों में वृद्धि हो सकती है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों में। पंचकूला के निवासियों ने दिन भर कम विजिबिलिटी और लगातार धुंध की शिकायत की, और सूरज डूबने के बाद हालात और खराब हो गए।

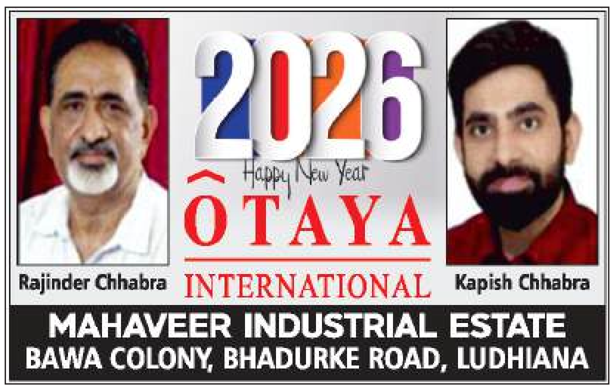

झोपड़ी में सो रहे परिवार पर बरसा कहर, पत्थरों से लदा ट्रक पलटने से दो मासूम भाई-बहनों की मौत

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/31 दिसंबर। जगराओं में ट्रक यूनियन के पास तड़के करीब 3 बजे पत्थरों से लदा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर एक झोपड़ी पर पलट गया। जिससे झोपड़ी में रहने वाले परिवार के छह सदस्यों में से दो मासूम भाई-बहनों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, बुधवार तड़के करीब 3 बजे सिधवां बेट की तरफ से आ रहा पत्थरों से लदा एक ट्रक एक झोपड़ी पर पलट गया। उस झोपड़ी में खिलौने बेचने वाले मजदूर अपने बच्चों के साथ रह रहे थे। पलटे हुए ट्रक में फंसे दो मासूम बच्चों की दुखद मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। इस दुखद हादसे में ट्रक के पत्थरों के नीचे दबकर सात साल की पिंकी और उसका पांच वर्षीय भाई गोपाल की मौत हो गई। वहीं दो बच्चों को दो घंटे की मशक्कत के बाद पत्थरों को हटाकर बाहर निकाला गया। हादसे के दौरान ट्रक में फंसा चालक ट्रक की आगे की खिड़की तोड़कर भाग निकला। सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी सुरजीत, जो पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, ने जांच की और मृत बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। दुर्घटना में घायल हुए अन्य सदस्यों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के बाद घटनास्थल से फरार हुए ट्रक चालक और उसके साथी की तलाश जारी है।

पंजाब में सर्दी के कारण स्कूल की छुट्टियां बढ़ी, अब 8 जनवरी को खुलेंगे

पंजाब/यूटर्न/31 दिसंबर। पंजाब में बढ़ रहे सर्दी के प्रकोप के कारण अब सभी स्कूलों में छुट्टियां बढ़ गई है। अब सभी प्राइवेट और सरकारी, एडिड और मान्यता प्राप्त स्कूल 8 जनवरी को खुलेंगे। यह ऐलान शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने किया है। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने पर लिखा है- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा निर्देश पर प्रदेश में लगातार बढ़ रहे कोहरे को देखते हुए बच्चों और स्टाफ की सेहत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी सरकारी, एडिड, मान्यता प्राप्त और प्राइवेट स्कूल में 7 जनवरी तक छुट्टियां की जा रही है। 8 जनवरी को पहले की तरह स्कूल खुलेंगे।

19 हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल... पंजाब में इस समय 19 हजार से अधिक सरकारी स्कूल है। इनमें 35 लाख से अधिक स्टूडेंट्स पढ़ाई का रहे है। मौसम विभाग पहले ही साफ कर चुका है, 1 जनवरी के बाद ठंड बढ़ेगी। ऐसे में विभाग किसी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहता है। शिक्षा विभाग की तरफ से जो अपना एनुअल एकेडमिक कैलेंडर बनाया गया है। उसमें भी इन छुट्टियों को भी शामिल किया है। इसके अलावा मंथली वाइस जो सिलेबस बांटा गया है। उसे भी इसी आधार पर बांटा गया है, ताकि स्कूलों में पढ़ाई नियमित चलती रहे।

पार्षद वोट पाने तक सीमित न रहें, कचरे की समस्या का स्थायी समाधान खोजें - अध्यक्ष अरुण

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/31 दिसंबर। पिछले लंबे समय से जगरांव नगर परिषद के लिए कचरा एक गंभीर समस्या बना है। कोई भी नेता या नागरिक प्रशासन इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं ढूंढ पा रहा। इसके लिए हमेशा सफाई कर्मचारियों को ही दोषी ठहराया जाता है। इस संबंध में सफाई यूनियन के जिला अध्यक्ष अरुण गिल ने कहा कि कचरे के लिए केवल राजनीतिक नेता और जगरांव नगर परिषद का प्रशासन जिम्मेदार है, सफाई कर्मचारी नहीं। जगरांव के लोगों से सहयोग मांगते हुए उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का काम केवल गलियों और सड़कों की सफाई करना है। उन्होंने आगे कहा कि जब भी कचरे की समस्या होती है, पार्षद पैसे कमाने के लिए अपने-अपने आंगनों से कचरा उठाना शुरू कर देते हैं। वे बाड़ों से कचरा उठाकर उन डंपों में फेंकते हैं। लेकिन जब जगरांव नगर परिषद के सफाई कर्मी उन्हीं कूड़े को डंपों पर फेंकते हैं, तो वे इसका विरोध करते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि नगरवासियों को गुमराह करने और सफाईकर्मियों की प्रतिष्ठा धूमिल करने वाले पार्षदों को उनके खिलाफ लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार। Contact - +91 9814295372